nt>

Title: Problems faced by the workers of Indo Asia Glass factory, Bhoorkunda, Hazaribagh, due to closure of factory.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता (हज़ारीबाग) : अध्यक्ष महोदय, झारखंड के हजारीबाग जिले में भुरकुन्डा की एण्डो एशियाई ग्लास फैक्ट्री 27 अक्तूबर, 2004 को बंद हो गई। 28 अक्तूबर को मैं और झारखंड विधानसभा के विपक्ष के नेता हाज़ी हुसैन अंसारी झारखंड के मुख्य मंत्री, श्री अर्जुन मुंडा से मिले और उनसे प्रार्थना की कि कारखाने को बंद न होने दें। उन्होंने इसके लिए आश्वसन भी दिया, लेकिन एक महीना बीत चुका है, उन्होंने कुछ नहीं किया। इसमें पांच हजार मजदूर काम करते थे। अभी तक वह कारखाना नहीं खुला, इस कारण से वहां के लोग धरने एवं आंदोलन पर हैं। 1 दिसम्बर को वहां के लोगों ने रांची, पटना नेशनल हाईवे को जाम किया और तीन दिन पहले रेलवे लाईन को मजदूरों ने जाम किया।

महोदय, अभी तक कारखाने को खोला नहीं गया, जब कि वह कारखाना मुनाफे में था। कारखाने का मालिक पूंजीपति है, उससे मिल कर भाजपा के मुख्य मंत्री ने करोड़ों रुपए लेकर इस कारखाने को बंद कराया है। कारखाने के मजदूर मरने की स्थिति में हैं। इसलिए मैं केन्द्र सरकार से आपके माध्यम से अपील करना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार इसमें हस्तक्षेप करे और जो पांच हजार मजदूर मरने पर आतुर हैं और भुखमरी के कगार पर हैं, उनका पानी एवं बिजली काट दिया है, उसे खुलवाएं, अन्यथा वहां मजदूर आत्मदाह करने को तैयार हैं। छोटे-छोटे बच्चे एवं महिलाएं आंदोलन पर उतर गए हैं। वे उपवास एवं आमरण-अनशन पर हैं। वहां लगातार आंदोलन हो रहे हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से अपील करना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार इस पर विचार करें और उस कारखाने को खुलवाए।â€¦ (व्यवधान)